सूचना एवं जनसम्पर्क निदेषालय

प्रेस विज्ञप्ति

राँची,दिनांक09.04.2020

सूचना एवं जनसंपर्क निदेशालय रांची
वज्ञप्ति संख्या- ***226/2020***
9अप्रैल ***2020***
सूचना भवन, रांची।

==========.

◆कोरोना के कारण देश व्यापी लौकडाउन के दौरान लोगों मे सकारात्मकता बनी रहे।

◆ऑनलाइन प्रतियो गताओं से सकारात्मक वचार तो बढ़ते ही है साथ ही खुद के अंदर छुपे हुनर से रूबरू होने का मौका भी मलता है।

==========

झारखंड सरकार द्वारा लौकडाउन के दौरान लोगों के हित के लए हर संभव प्रयास कए जा रहे हैं ता क वह इस कठिन परिस्थिति में अपना धैर्य ना खोएं। इस क्रम में सभी जिलों के प्रशासन द्वारा भी अपने स्तर पर कुछ महत्वपूर्ण कदम उठाये जा रहे हैं। दुमका जिला द्वारा लोगों में सकारात्मकता बनाए रखने के लए ऑनलाइन प्रतियो गता कराई जा रही है। इस प्रतियो गता में लोगों को रोज सुबह जिला के सोशल मी डया पेज पर प्रतियो गता की शर्तें एवं नियम बताये जाते हैं। जैसे की फैंसी ड्रेस कंपटीशन, मेहंदी कंपटीशन, डश कंपटीशन इत्यादि। लोगों द्वारा अपने घरों में रहकर ही इस तरह कीय प्रतियो गता में भाग लया जाता है । अपने द्वारा कये गए कार्यों को जिला के पेज पर अपलोड कया जाता है। इसमें जो वनर होते हैं उनका नाम अगले दिन सोशल मी डया पेज पर प्रसारित कया जाता है। लॉक डॉउन खत्म होने के बाद उपायुक्त द्वारा वजेताओं को प्रशस्ति पत्र देने की भी योजना है। इस तरह के प्रयासों से लोगों में सकारात्मक वचार तो बढ़ते ही है एवं उनके अंदर छुपे हुनर से भी वे अवगत हो पाते हैं।

हज़ारीबाग़ की महिला मंडलों द्वारा कया जा रहा पीपीई कट का निर्माण कार्य।

हज़ारीबाग़ की महिला मंडलों द्वारा जेएसएलपीएस की मदद से पीपीई कट का निर्माण कार्य कया जा रहा है। यह कट स्टैन्डर्ड कट से काफी सस्ती दरों में उपलब्ध होगी। इसकी गुणवत्ता लगभग वैसी ही है जैसा स्टैंडर्ड कट की होती है। महिला समूह द्वारा स्थानीय स्तर पर उपलब्ध प्लास्टिक के उपयोग से पीपीई कट का निर्माण कया जा रहा है। अभी तक ***200*** कट तैयार कर हजारीबाग

प्रशासन को उपलब्ध भी कराया जा चुका है। इन महिला समूह के माध्यम से सस्ते मास्क का निर्माण भी कया जा रहा है। जिसे सेनिटाइज कर के दोबारा उपयोग में भी लाया जा सकता है।

चाईबासा में आंगनबाड़ी क र्मयों द्वारा ***6*** माह से ***6*** वर्ष तक के बच्चों को पूरक पोषक आहार उपलब्ध कराया जा रहा है।

लॉक डाउन की वजह से आंगनबाड़ी केंद्र बंद होने के कारण बच्चों तक पोषक आहार नहीं पहुँच पा रहे इस ओर सकारात्मक पहल करते हुए चाईबासा के आंगनबाड़ी क र्मयों द्वारा ***6*** माह से ***6*** वर्ष तक के बच्चे , गर्भवती महिलाएं, धात्री महिलाएं एवं सैम (***SAM)*** बच्चों को पूरक पोषक आहार उपलब्ध कराया जा रहा है।

###

==========

#TeamPRDJharkhand